VISION IAS

www.visionias.in

19 DEC 2020

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1419)

Name of Candidate	SANDEEP KUMAR		
Medium Eng./Hindi	Hindi	Registration Number	473817
Center	MN	Date	19.12.20

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1	10	
2	10	
3	10	
4	10	
5	10	
6	10	
7	10	
8	10	
9	10	
10	10	
11	15	
12	15	
13	15	
14	15	
15	15	
16	15	
17	15	
18	15	
19	15	
20	15	

Total Marks Obtained:

Remarks:

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWENTY** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
   इसमें बीस प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

EVALUATION INDICATORS

1. **Contextual Competence**
2. **Content Competence**
3. **Language Competence**
4. **Introduction Competence**
5. **Structure - Presentation Competence**
6. **Conclusion Competence**

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. Highlighting the issues associated with power discoms in India, discuss whether privatizing discoms can help in this regard. **(150 words) 10**

भारत में विद्युत वितरण कंपनियों (डिस्कॉम्स) से जुड़े मुद्दों पर प्रकाश डालते हुए, चर्चा कीजिए कि क्या डिस्कॉम्स के निजीकरण से इस संबंध में सहायता मिल सकती है।

भारत में विद्युत क्षेत्र अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है। उदय योजना के बाद भी घाटा 21% बना हुआ है।

डिस्कॉम्स से संबंधित मुद्दे :-

1. पारेषण एवं तकनीकी हानि का लगभग 25% बना हुआ है।
2. ऋणग्रस्तता :- उत्पादकों के बकाया बढ़ रहे हैं।
3. राजनीतिक हस्तक्षेप :- राजनीतिक हस्तक्षेप के कारण विद्युत की दरों में तार्किक वृद्धि नहीं हो पाती है।
4. प्रशासनिक अकुशलता
5. सौर ऊर्जा एवं पवन ऊर्जा से पर्याप्त समेकन नहीं हो सका है जिससे

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

नवीन प्रौद्योगिकी को हतोत्साहित हो रही है।

उपर्युक्त चुनौतियों के संदर्भ में निजीकरण एक समाधान हो सकता है -

1. पूर्व के अनुभव से पारेषण एवं तकनीकि हानि में सुधार ~~हुआ सकता~~ है। जैसे दिल्ली में 53% से 8% के स्तर पर आना।

2. प्रशासन में पारदर्शिता

3. परिचालन में स्वायत्तता एवं दक्षता में वृद्धि होती है यह विद्युत वितरण कंपनियों के ~~लाभ~~ हानि को कम करेगी

4. निजी क्षेत्र प्रतिस्पर्धा के साथ जनता को बेहतर सुविधा देगा।

निजी क्षेत्र के अनुभव इस क्षेत्र में लाभदायक रहे हैं। सौर ऊर्जा में रूफ टॉप को भी निजी क्षेत्र के माध्यम से बढ़ावा दिया जा सकता है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. Harnessing Smart Agriculture can potentially be a game-changer for farm productivity in India. Discuss. **(150 words) 10**

स्मार्ट कृषि का दोहन संभवतः भारत में कृषि उत्पादकता के लिए निर्णायक सिद्ध हो सकता है। चर्चा कीजिए।

स्मार्ट कृषि से तात्पर्य है आधुनिक सूचना प्रौद्योगिकी जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं सेंसर आदि खेती में समाहित कर उत्पादन को बढ़ावा देती है।

स्मार्ट कृषि के लाभ :-

1. मृदा की गुणवत्ता के अनुसार उर्वरक, बीज एवं सिंचाई जैसी आगतों का प्रयोग।

2. मौसम की भविष्यवाणी करना।

3. फसलों में जल की आवश्यकता का अनुमान लगाना।

4. रोगों का पूर्वानुमान करना एवं रोग होने पर दवा एवं अन्य समाधान प्रस्तुत करना।

5. ड्रोन तकनीक का बेहतर उपयोग

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

से कीटनाशक एवं अन्य चुनौतियों से सुरक्षा प्रदान करना। कीटनाशक का छिड़काव

6. मशीनीकरण में सेंसर आदि का उपयोग करना।

चुनौति :-

1. 85% लघु एवं सीमांत किसान तकनीकी एवं आर्थिक लागत को वहन नहीं कर पाएगा।

2. भारतीय कृषि अनेक संरचनात्मक कमियाँ तकनीकी को अपनाने में अवरोध पैदा करती है।

स्मार्ट कृषि का बेहतर उपयोग नवीन चुनौतियां (जलवायु परिवर्तन) से निपटने में सहायक हो सकता है। इस क्षेत्र में पर्याप्त शोध को बढ़ावा देना होगा। व्यवहार्य तकनीकि के रूप में सर्वसुलभ बनाना होगा।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. Rather than focusing solely on quantity, inclusive growth concerns itself with the quality of growth. Discuss. **(150 words) 10**

केवल परिमाण पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय समावेशी विकास, संवृद्धि की गुणवत्ता के साथ भी अपना सरोकार रखता है। चर्चा कीजिए।

समावेशी विकास दीर्घकालिक विकास एवं जीवन की गुणवत्ता में का सुधार करता है। विश्व में 1% लोगों के पास 50% संसाधन है एवं 50% जनसंख्या 1% संसाधनों के साथ जीवन निर्वाह कर रही है। (ऑक्सफाम रिपोर्ट)

अल्पकालिक संवृद्धि के निम्न नकारात्मक परिणाम हैं —

1. भारत की संवृद्धि दर अधिक होने के बावजूद 25% गरीबी भारत में ही है।
2. भारत में बेरोजगारी 7% है जो 55 वर्षों में सर्वाधिक है।
3. मानव विकास सूचकांक में 189 देशों में 129वां स्थान है।

समावेशी विकास के लाभ :-

1. समावेशी विकास दीर्घकाल तक संवृद्धि को सुनिश्चित करता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. आय की असमानता को कम करना।
3. समाज के वंचित वर्गों एवं महिलाओं की विकास में भागीदारी सुनिश्चित करना।
4. समावेशी विकास लोगों में गरीबी कम करता है एवं जीवन स्तर में सुधार करता है। जैसे स्वच्छ ईंधन, शिक्षा व स्वास्थ्य तक पहुँच।

समावेशी विकास की अवधारणा 11वीं पंचवर्षीय योजना से भारत में स्वीकार की गई है। यह विकास में सबके विकास की समान भागीदारी सुनिश्चित करती है।

दीर्घकालीन संवृद्धि एवं पर्यावरण मित्र विकास समावेशी विकास के माध्यम से ही प्राप्त किया जा सकता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. In the backdrop of Atmanirbhar Bharat, discuss the core areas crucial in export promotion for India to become a manufacturing hub.

(150 words) 10

आत्मनिर्भर भारत की पृष्ठभूमि में, भारत के लिए एक विनिर्माण केंद्र बनने हेतु निर्यात संवर्धन में महत्वपूर्ण मुख्य क्षेत्रों (कोर एरिया) की विवेचना कीजिए।

आत्मनिर्भर भारत का उद्देश्य भारत की वैश्विक ~~सक्रिय~~ आपूर्ति श्रृंखला में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है। भारत 2024 तक विनिर्माण क्षेत्र का योगदान GDP का 25% करने का लक्ष्य भी विनिर्माण गतिविधियों को बढ़ावा देकर ही प्राप्त करेगा।

निर्यात संवर्धन हेतु महत्वपूर्ण क्षेत्र :-

1. श्रम ~~स~~ गहन क्षेत्र :- वस्त्र, चमड़े एवं अन्य श्रम गहन उद्योग भारत को निर्यात क्षेत्र में बढ़ावा प्रदान कर सकते हैं।

2. इलैक्ट्रोनिक्स :- भारत में इलैक्ट्रोनिक्स क्षेत्र में असेंबलिंग, पार्ट्स के उत्पादन को बढ़ावा देकर।

3. रक्षा क्षेनिर्यात :- भारत ने पिछले दो वर्षों में 6 गुना वृद्धि की है। यह

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

वैश्विक रक्षा उत्पादन के उभार को दिखाता है।

4. जेनेरिक दवा :- भारत विश्व की 20% जेनेरिक दवा के व्यापार में हिस्सेदारी रखता है।

5. खेल की वस्तुएं :-

6. सौर ऊर्जा के यंत्र

भारत को आत्मनिर्भर भारत को सफल बनाने हेतु आंतरिक चुनौतियों का समाधान करना होगा। विद्युत क्षेत्र, कृषि क्षेत्र एवं भूमि अधिग्रहण की समस्याओं का समाधान करना होगा।

भारत वैश्विक महाशक्ति बनने के लक्ष्य आर्थिक संवृद्धि के साथ ही प्राप्त कर सकता है। यह 5 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था बनाने में भी मदद करता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. Arsenic pollution is becoming a severe environmental issue in India. Enumerating its various sources, discuss the consequences and measures to tackle it. **(150 words) 10**

आर्सेनिक प्रदूषण भारत में एक गंभीर पर्यावरणीय मुद्दा बनता जा रहा है। इसके विभिन्न स्रोतों को सूचीबद्ध करते हुए, इसके परिणामों और इससे निपटने के उपायों पर चर्चा कीजिए।

आर्सेनिक प्रदूषण गंगा एवं ब्रह्मपुत्र नदियों के बेसिनों में अधिक पाया जाता है। यह मानक स्तर से अधिक है।

स्रोत :-

प्राकृतिक स्रोत :- चट्टानों के अपक्षय, अपरदन एवं निक्षालन के माध्यम से।

मानवीय गतिविधि :- उद्योग, खनन जैसी गतिविधि भी आर्सेनिक स्राव को बढ़ावा देती है। अत्यधिक भूजल का दोहन, कोयला एवं लौह अयस्क उत्पादन, बिजली संयंत्रों से फ्लाई ऐश का निस्तारण न करना आदि।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

आर्सेनिक स्तर बढ़ने के दुष्परिणाम :-

1. प्रदूषित भूजेपजल मानव के लिए अनेक रोगों का कारण बनता है जैसे त्वचा, वृक्क आदि से संबंधित
2. पशुओं के चारे एवं पेयजल के रूप में उपयोग भी मानव के खाद्य पदार्थों को दूषित करते हैं।
3. जैव प्रदूषण की शृंखला जैव आवर्धन को बढ़ाती है।

आर्सेनिक के निस्तारण :

1. चूने का प्रयोग
2. सूक्ष्म जीवों के माध्यम से जैव उपचार।
3. कृषि में जैविक कृषि को बढ़ावा एवं उद्योगों के अपशिष्टों का निस्तारण।

अत: आर्सेनिक मानव स्वास्थ्य के लिए खतरा है। स्वस्थ मनुष्य ही स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण करता है। इस चुनौती को प्राथमिकता से निपटना चाहिए।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. The Green Term Ahead Market (GTAM) can invigorate the renewable energy sector in India. Evaluate. **(150 words) 10**

ग्रीन टर्म अहेड मार्केट (GTAM) भारत में नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रक को सुदृढ़ बना सकता है। मूल्यांकन कीजिए।

ग्रीन टर्म अहेड मार्केट विद्युत क्षेत्र में नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने हेतु अल्पकालिक व्यापार मंच है।

यह दीर्घकालिक विद्युत खरीद समझौतों में शामिल हुए बिना विद्युत क्षेत्र का में व्यापार समझौतों को करने में सहायता करेगा।

लाभ :-

1. कंपनियों को दीर्घकालीन समझौतों की बाध्यता से मुक्त करेगा। यह उन्हें वित्तीय रूप से लाभदायक है। जैसे सौर ऊर्जा की कीमत पिछले दो वर्ष में प्रति यूनिट 4रु. कम होगई

2. उत्पादक एवं खरीददारों को एकमंच पर लाना।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देगा। इनकी क्षमताओं में भी संवर्धन करेगा।

4. नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में प्रतिभागियों की संख्या में वृद्धि करेगा।

5. पर्यावरणीय लाभों के प्रति उपभोक्ता को जागरूक करेगा।

इससे भारत 2022 में अपने निर्धारित लक्ष्य 175 GW को भी प्राप्त कर सकेगा। 2030 तक 450GW के दीर्घकालीन लक्ष्य को प्राप्त करेगा।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

7. In context of the increasing importance of technology for disaster management, throw some light on the application of GIS and Remote Sensing in disaster management with specific examples from India.

(150 words) 10

आपदा प्रबंधन के लिए प्रौद्योगिकी के बढ़ते महत्व के संदर्भ में, भारत से विशिष्ट उदाहरणों को प्रस्तुत करते हुए आपदा प्रबंधन में जी.आई.एस. और सुदूर संवेदन के अनुप्रयोग पर कुछ प्रकाश डालिए।

जी. आई. एस. और सुदूर संवेदन तकनीकी ने आपदा के क्षेत्र में बचाव, संरक्षण एवं अनुक्रिया को तीव्र एवं प्रभावी बनाया है।

कार्टोसैट एवं रिसैट उपग्रहों ने भविष्यवाणी एवं आपदा के प्रभाव के मूल्यांकन को प्रभावी बनाया है।

आपदापूर्व तैयारी चरण

आपदा का प्रभाव एवं हानियों का मूल्यांकन

जनसंख्या के प्रति अनुक्रिया के रूप में देखना जैसे बाढ़ से बचाव हेतु

आपदा तैयारी चरण

खाद्यान्न एवं आवश्यक वस्तुओं का प्रबंधन

आश्रय स्थलों का निर्माण

प्रशिक्षण

क्षमता निर्माण करना

आम जनता एवं बचाव कर्मियों

आपदा के समय अनुक्रिया

- राहत के लिए प्राथमिकताओं का चयन
- सूचनाओं को सटीक जनता तक पहुँचाना
- विद्युत एवं अन्य आवश्यकताओं का निर्धारण
- खाद्यान्न एवं दवाओं तक पहुँच को आसान बनाना

आपदा के बाद अनुक्रिया

- डाटा एवं अन्य हानिकारक प्रभावों का आकलन करना
- आधारभूत संरचना का पुनर्निर्माण
- मानवीय एवं अन्य क्षतियों का मूल्यांकन एवं राहत प्रदान करना

जी. आई. एस. एवं सुदूर संवेदन तकनीक ने विभिन्न चरणों में आपदा के प्रभावों को कम करने में मदद की है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. The CRISPR/Cas9 genetic scissors have revolutionized the genome editing technique with applications in various areas. Discuss. **(150 words) 10**

क्रिस्पर/कैस9 (CRISPR/Cas9) आनुवंशिक कैंची द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में अनुप्रयोगों के साथ जीनोम संपादन तकनीक में क्रांतिकारी परिवर्तन का संचार किया गया है। चर्चा कीजिए।

क्रिस्पर / कैस 9 तकनीकी ने जीन प्रौद्योगिकी क्षेत्र में महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित किया है। यह लाक्षित एवं सस्ती तकनीकी है।

लाभ :-

1. सस्ती, लाक्षित एवं कुशल तकनीक है।
2. यह भ्रूण में ही जीनों में संग कमियों को संशोधित करती है।

अनुप्रयोग के विभिन्न क्षेत्र :-

1. मानव स्वास्थ्य के संदर्भ में :- मानव में विभिन्न आनुवांशिक बीमारियों का समाधान किया जा सकता है। मानव में कैंसर एवं अन्य दुर्लभ रोगों के इलाज में भी प्रभावी तकनीकी है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. पशुपालन के क्षेत्र में :- पशुपालन में दुग्ध, ऊन एवं मांस जैसे उत्पादों के वृद्धि हेतु संकर प्रजातियों को विकसित करने में मदद मिल सकती है। रोगों के समाधान हेतु भी।

3. कृषि क्षेत्र में :- कृषि क्षेत्र में भी विभिन्न रोगों एवं संकर किस्मों का विकास कर उत्पादन को बढ़ाया जाने में मदद करेगी।

4. पर्यावरण संरक्षण

क्रिस्पर तकनीक जीन क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन एवं लाभों में वृद्धि करेगी। हालांकि इसके दुरुपयोग हेतु नियामक की आवश्यकता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. Bring out the role played by Financial Action Task Force in tackling the menace of money laundering. **(150 words) 10**
धन-शोधन के खतरे से निपटने में वित्तीय कार्रवाई कार्य बल द्वारा निभाई गई भूमिका को स्पष्ट कीजिए।

ग्रुप -7 के देशों द्वारा वित्तीय कार्रवाई कार्यबल का गठन किया गया है। इसके वर्तमान में 35 से अधिक देश सदस्य है। यह वैश्विक धन शोधन एवं आतंक के वित्त पोषण को नियंत्रित करता है।

यह वैश्विक धन शोधन के खतरों से निपटने के लिए निम्न कार्रवाई करता है।

1. वैश्विक खतरों एवं सुभेद्यताओं की पहचान करना।

2. सदस्य देशों के लिए नियमों एवं मानकों का निर्माण करना।

3. सदस्यों देशों की प्रगति का मूल्यांकन करना जिससे उनको अपने नियमों के क्रियान्वयन में मदद

मिलती है।

4. कार्रवाई करने हेतु ग्रे लिस्ट एवं ब्लैक लिस्ट का निर्माण करना। इससे देशों को आर्थिक एवं वित्तीय मदद प्रभावित होती है।

5. आतंकवाद के वित्त पोषण हेतु वैश्विक मानक संस्था के रूप में काम करना।

FATF वैश्विक रूप से आतंक एवं धन शोधन को प्रभावी रूप से कम करने का कार्य करता है। इनके संबंध में प्रभावी मूल्यांकन एवं अन्वेषण का अधिकार FATF को प्रदान करना होगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. Discuss the recent reforms that have been undertaken in the National Security Architecture of India. **(150 words) 10**
भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा संरचना में हाल ही में किए गए सुधारों की विवेचना कीजिए।

भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा पड़ोसी पाक एवं चीन से सीमा विवाद एवं आतंक एवं ड्रग की तस्करी के रूप में चुनौति बनी हुई है।

आंतरिक रूप से नक्सलवाद, उग्रवाद एवं विद्यमान विविधता का प्रबंधन भी एक चुनौति है।

हाल ही में सरकार की पहल :

1. चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ की नियुक्ति – यह प्रभावी समन्वय की स्थापना करेगा।

2. अंडमान और निकोबार में त्रिसेना की कमांड का गठन।

3. रक्षा अधिग्रहण कमेटी का गठन।

4. उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

एक से बढ़ाकर तीन कर दिए गए हैं।

5. रक्षा साइबर एजेंसी, रक्षा अंतरिक्ष एजेंसी एवं रक्षा बल विशेष संचालन डिविजन का गठन।

6. NSA को प्रभावी बनाया गया है एवं कैबिनेट सचिव के माध्यम से प्रभावी समन्वय एवं मॉनिटरिंग की जा रही है।

7. रक्षा अधिग्रहण में स्वदेशी तकनीकी को बढ़ावा।

नवीन सृजित पद एवं राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार को संवैधानिक संरक्षण देकर संसद के प्रति जवाबदेह बनाना चाहिए। जैसे कैग आदि।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. Bring out the key hurdles that are being faced in accomplishing land reforms in India. Also, discuss the advantages which can be reaped by accomplishing them in contemporary times. **(250 words) 15**
भारत में भूमि सुधारों को पूरा करने में सामना की जा रही प्रमुख बाधाओं को स्पष्ट कीजिए। साथ ही, समकालीन समय में इन्हें पूरा करने से होने वाले लाभों की भी विवेचना कीजिए।

भूमि सुधारों का मुख्य उद्देश्य भूमि को सामाजिक एवं आर्थिक रूप से ~~न्याय~~ समान वितरण सुनिश्चित करना है।

भूमि सुधारों के संबंध में बाधा :-

1. भारत में भू-अभिलेखों का अभाव की समस्या है। मौजूद दस्तावेज भी अस्पष्ट एवं बिखरे हुए हैं।
2. कंप्यूटरीकृत एवं डिजिटल डेटा के रूप में नहीं है।
3. काश्तकारों के अधिकार सुनिश्चित नहीं हैं।
4. प्रशासनिक चुनौतियाँ
5. कानूनी विवाद :- भारत में 2/3 सिविल वाद भूमि विवादों से जुड़े

हुए हैं।

6. हदबंदी के नियम वर्तमान में अव्यवहारिक एवं तकनीकी अनुप्रयोगों के प्रति बेहतर नहीं है।

7. भूमि अधिग्रहण अधिनियम, 2013 भी भूमि के इष्टतम उपयोग एवं अधिग्रहण, पुनर्वास को बढ़ाने हेतु।

भूमि सुधारों को लागू करके ही कृषि में व्याप्त समस्याओं का समाधान किया जा सकेगा।

1. कृषि उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि:- कृषि क्षेत्र में भूमि सुधार एवं पुनर्वितरण के माध्यम से ही ऋण, एवं अन्य आगतों तक प्रभावी पहुँच बना सकते हैं। काश्तकारी

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सुधार को वास्तविक रूप से खेती करने वाले को लाभ पहुँचाएगा।

2. ग्रामीण क्षेत्रों में आय का समान वितरण : कृषि क्षेत्र [58% लोगों] की संलग्नता कृषि में सुधारों से ही संवृद्धि के लक्ष्य को प्राप्त करेगी।

3. सामाजिक - आर्थिक परिवर्तन को भी गतिशील बनाएगी। गरीबी, पोषण एवं लिंग आधारित भेदभाव कम होगा।

4. कानूनी विवादों में कमी आएगी।

5. समावेशी एवं सतत विकास के लक्ष्य की प्राप्त होगी।

समग्रत: हम कृषि क्षेत्र की चुनौतियों का समाधान करके ही 5 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था, समावेशी विकास एवं आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्यों को प्राप्त करेंगे।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. India needs to accord more significance to nutritional security than food security. Comment. In this context, suggest a framework that should be adopted by the government to achieve nutritional self-reliance.

(250 words) 15

भारत को खाद्य सुरक्षा की तुलना में पोषण सुरक्षा को अधिक महत्व देने की आवश्यकता है। टिप्पणी कीजिए। इस संदर्भ में, वह रूपरेखा भी बताइए जिसे सरकार द्वारा पोषण संबंधी आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के लिए अपनाया जाना चाहिए।

भारत में 38% लोग ठिगनेपन एवं 22% लोग दुबलेपन के रूप में कुपोषण से ग्रसित है। 50% से अधिक महिलाएं एनीमिया से पीड़ित है।

आवश्यकता :-

1. सूक्ष्म पोषक तत्वों का अभाव
2. मोटापे जैसे नवीन पोषण संबंधी चुनौतियों का प्रकट होना। (5-8% लोग)
3. गर्भवती महिलाओं की पोषण आवश्यकता।

पोषण तत्वों की आपूर्ति पर बल दिए बिना खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की जा सकती है। इसके लिए निम्न प्रयास करने होंगे :-

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. स्व. पोषण संबंधी सरकारी कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन।
2. पोषण अभियान की तरह सभी कार्यक्रमों की प्रभावी मोनिटरिंग करना।
3. न्यूनतम समर्थन मूल्यों के अधिग्रहण में ~~दाल~~ चावल एवं गेहूं के साथ दाल एवं मोटे अनाज पर भी बल देना चाहिए।
4. खाद्यान्नों एवं अन्य खाद्य पदार्थों को फोर्टिफाइड करना चाहिए।
5. तकनीकी के आधार पर वंचित लोगों को सरकार मुफ्त में खाना उपलब्ध करवाये। जैसे - कोरोना में प्रवासी मजदूर एवं वरिष्ठ नागरिक।
6. आकांक्षी जिलों में सार्वभौमिक टीकाकरण एवं गर्भवती महिलाओं तक प्रभावी

जिंक, आयरन की गोलियों तक पहुँच उपलब्ध करवाओ।

7. मध्याह्न भोजन कार्यक्रम में सूक्ष्म पोषक तत्वों का समावेश एवं कोरोना से की काल में वंचित बच्चों के लिए सामुदायिक भवनों या अक्षयपात्र जैसे NGO की मदद से भोजन उपलब्ध करवाओ।

8. ईट राइट इंडिया अभियान के माध्यम से जागरूकता का प्रसार।

समग्रत: पोषण सुरक्षा उपलब्ध करवाकर सतत विकास लक्ष्य - 1, 2, एवं 3 की प्राप्ति की जा सकती है। कुपोषण के दुष्चक्र को तोड़ा जा सकता है।

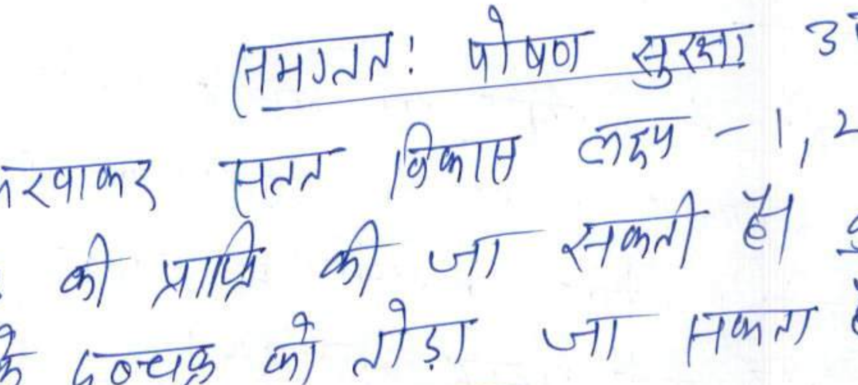

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

13. Private investments are key for India to move into a high growth trajectory. Discuss. Also highlight the steps taken by the government in recent times to address the fall in private investments. **(250 words) 15**

निजी निवेश भारत के लिए उच्च संवृद्धि पथ पर आगे बढ़ने हेतु महत्वपूर्ण हैं। चर्चा कीजिए। साथ ही, निजी निवेश में गिरावट को दूर करने के लिए हाल के दिनों में सरकार द्वारा उठाए गए कदमों को भी रेखांकित कीजिए।

2024-25 तक 5 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के लिए निजी निवेश की भूमिका महत्वपूर्ण है।

निजी निवेश का महत्व :-

1. रेलवे एवं वायु परिवहन की आवश्यकताओं को पूरा करना।
2. कौशल एवं क्षमता निर्माण हेतु भी निजी निवेश महत्वपूर्ण है।
3. शोध को बढ़ावा देने हेतु।
4. विनिर्माण क्षेत्र एवं निर्यात को प्रोत्साहन देने हेतु निजी निवेश महत्वपूर्ण है।
5. आत्मनिर्भर भारत, डिजिटल भारत एवं नए भारत के निर्माण में।

भारत में 2003-2008 तक निजी निवेश की भूमिका 38% योगदान था जो

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

वर्तमान 29% है।

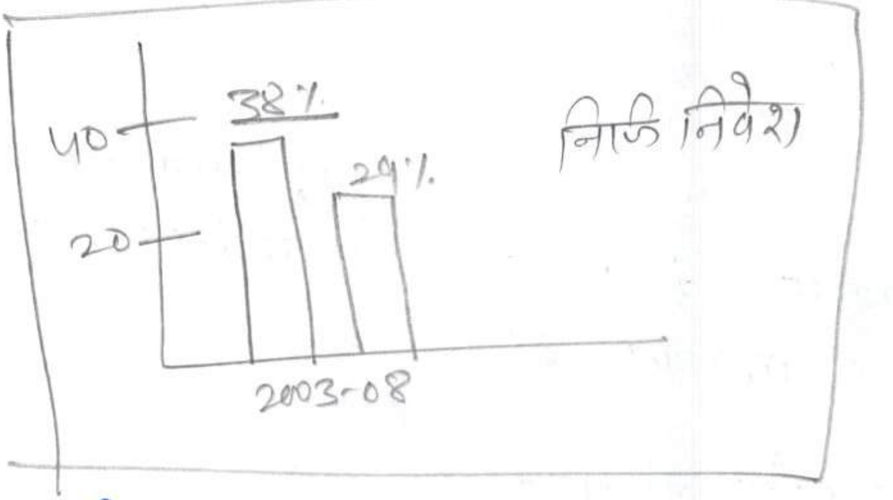

~~निजी निव~~
निजी निवेश को बढ़ाने हेतु सरकारी पहल:

1. इंवेस्ट इंडिया के माध्यम से सिंगल विंडो सहायता प्रदान करना।

2. सार्वजनिक निजि सहभागिता हेतु EPC मॉडल को अपनाना। जिसमें सरकारी सहायता उपलब्ध करवाना।

3. ईज ऑफ डूइंग बिजनेस रैंक में सुधार :- व्यवसाय के सहज एवं आसान बनाने हेतु अनेक सुधारों पर बल दिया जा रहा है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. श्रम संहिताओं में सुधार
5. कृषि क्षेत्र में निजी क्षेत्र को बढ़ावा हेतु विभिन्न कानूनों का निर्माण किया जाना।
6. निगम कर को 22% करना
7. राष्ट्रीय अवसंरचना निधि - 4006 डॉलर का प्रावधान करना।
8. नई शिक्षा नीति - 2020 एवं रोजगार कौशल युक्त शिक्षा प्रदान करना
9. प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को रक्षा, बीमा एवं अन्य क्षेत्रों में उदारीकृत रूप से अनुमति देना।

समग्र एवं बहुआयामी प्रयास ही 102 लाख करोड़ की अवसंरचना पाइप लाइन के लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद करेगी। निजी क्षेत्र का योगदान ही समावेशी विकास की ओर बढ़ने में मदद करेगा।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

14. India's geographical diversity and varied levels of development across regions necessitate a targeted region specific action plan to ensure a minimum acceptable level of prosperity. Elaborate. **(250 words) 15**

भारत की भौगोलिक विविधता और विभिन्न क्षेत्रों में विकास के भिन्न-भिन्न स्तर समृद्धि के एक न्यूनतम स्वीकार्य स्तर को सुनिश्चित करने के लिए एक लक्षित क्षेत्र विशिष्ट कार्य योजना को आवश्यक बनाते हैं। सविस्तार वर्णन कीजिए।

भारत एक उपमहाद्वीपीय देश है। यहाँ की जलवायु एवं भूगोल में व्यापक विविधता है भारत के विकास प्रक्रिया में भिन्नता देखने को मिलती है।

भिन्नता :-

1. उत्तरी भारत के राज्यों एवं दक्षिणी भारत के राज्यों में जनांकिकी एवं सामाजिक संकेतों में अंतर।
2. विकास में दक्षिणी भारत के राज्यों का बेहतर होना।
3. पूर्वोत्तर भारत की आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति।
4. राज्यवार (प्रति व्यक्ति आय) में भी असमानता है।

इसी कारण भारत के विकास को बढ़ावा देने हेतु स्थानीय एवं क्षेत्रीय

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

आवश्यकताओं के अनुसार विकास कार्य होना चाहिए।

द्वीपीय एवं तटीय क्षेत्र :-

1. मत्स्य एवं समुद्री संसाधनों पर आधारित ब्लू इकोनॉमी को बढ़ावा।

2. पर्यटन एवं स्थानीय जनजातियों के उत्पादों को व्यापार आदि से जोड़ना।

मरुस्थलीय क्षेत्र :-

1. आजीविका हेतु गैर कृषि कार्यों को बढ़ावा देना।

2. सौर ऊर्जा एवं पवन ऊर्जा को बढ़ावा देना।

3. पर्यटन को बढ़ावा देना।

पूर्वोत्तर भारत :-

1. कनेक्टिविटी की सुविधाओं का विस्तार।

2. पूर्वोत्तर भारत के जनजाति उत्पादों को

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

को क्लस्टर प्रदान करना।

हिमालयी क्षेत्र :-

1. पर्यटन
2. पशुपालन एवं हस्तशिल्प को बढ़ावा देना।
3. पारिस्थितिकी के अनुकूल कुटीर उद्योगों की स्थापना।

सामाजिक-आर्थिक रूप (आकांक्षी राज्य) से पिछड़े राज्य :-

1. जनसंख्या नियंत्रण, परिवार नियोजन आदि पर ध्यान देना।
2. क्षमता निर्माण पर ध्यान देना जैसे शिक्षा व स्वास्थ्य।

समग्रत: भारत की स्थानीय आवश्यकताओं एवं डाउन टू टॉप अप्रोच से समावेशी एवं आत्मनिर्भर हेतु महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

15. Empowering the farmers by ensuring barrier-free trade in the agriculture produce is critical in doubling their incomes. Enumerating the existing bottlenecks, discuss how the recent legislations can help in overcoming them. **(250 words) 15**

कृषि उपज का निर्बाध व्यापार सुनिश्चित करके किसानों का सशक्तीकरण करना उनकी आय दोगुनी करने में महत्वपूर्ण है। वर्तमान बाधाओं का उल्लेख करते हुए, चर्चा कीजिए कि इन पर नियंत्रण पाने में हालिया अधिनियम कैसे सहायता कर सकते हैं।

कृषि विपणन में खेत से उपभोक्ता तक पहुँचाने वाले ~~संक्रमण~~ प्रक्रम को शामिल करते हैं।

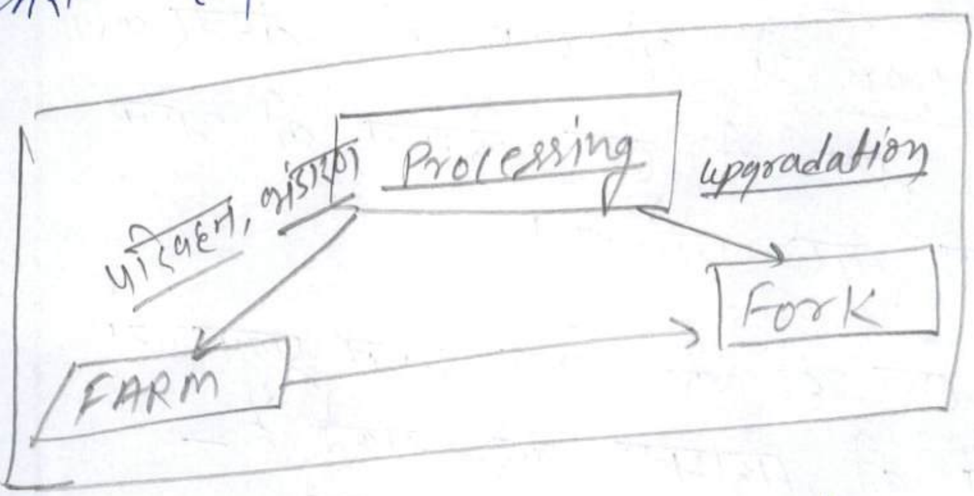

भारतीय कृषि की विपणन समस्या:

1. APMC अधिनियम के माध्यम से ही विक्रय
2. अनुबंध कृषि की चुनौती।
3. कीमतों का अस्थिर होना।
4. 40% फल व सब्जी का खराब

हो जाना।

5. अंतर्राज्यीय विकरण पर पाबन्दी।

6. कृषि का अलाभकारी होना।

भारत को विकसित बनाने हेतु 58% संलग्न जनसंख्या एवं कृषि का 16% GDP में योगदान को बेहतर करना होगा। तब ही हम किसान की आय दोगुना कर पाएंगे।

हाल ही के बिल निम्न प्रकार से किसानों की सहायता कर सकते हैं—

1. किसान उपज व्यापार अधिनियम - 2020

(i) एक देश एक बाजार के उद्देश्य को पूरा करेगा।

(ii) अंतर्राज्यीय व्यापार की अनुमति देता है।

(iii) APMC मंडी के बाहर भी व्यापार की अनुमति देता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. मूल्य आश्वासन और कृषि सेवाओं पर किसान समझौता अधिनियम - 2020

(i) अनुबंध कृषि को बढ़ावा देता है।

(ii). किसानों को कीमत से सुरक्षा प्रदान करता है।

(iii) प्रभावी विवाद निवारण तंत्र की व्यवस्था करता है।

3. आवश्यक वस्तु अधिनियम - 2020

1. केवल युद्ध, अकाल महामारी में ही सीमा आरोपित करेगा।

2. निजि निवेशकों को भंडारण, व्यापार आदि में बढ़ावा देता है।

हालांकि इन अधिनियमों में APMC मंडी, MSP एवं अनुबंध कृषि के विवाद निवारण संबंधी कुछ चिंताएं हैं।

इन अधिनियमों के माध्यम से कृषि विपणन की चुनौतियों का समाधान होगा। कृषकों की आय दोगुनी करने में मदद मिलेगी।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

16. The reasons for recurring floods in the regions of Eastern India such as Bihar and Assam go far beyond their topography. Discuss. Also, suggest measures to control this menace. **(250 words) 15**

बिहार और असम जैसे पूर्वी भारत के क्षेत्रों में बार-बार आने वाली बाढ़ के लिए केवल उनकी स्थलाकृति उत्तरदायी नहीं हैं। चर्चा कीजिए। साथ ही, इस खतरे को नियंत्रण में लाने के उपायों का भी सुझाव दीजिए।

बिहार एवं असम जैसे पूर्वी भारत के राज्यों में प्रतिवर्ष बाढ़ आती है। स्थलाकृतिक कारणों की महत्वपूर्ण भूमिका के साथ-साथ निम्न कारण भी हैं -

1. मानसून के समय अत्यधिक वर्षा का होना। 80% मानसूनी वर्षा ही प्राप्त होती है।

2. मानव जनित कारण :- मानव के आधिवासों, नदियों में अतिक्रमण, खनन एवं बांध निर्माण जैसे कारक भी जिम्मेदार हैं।

3. बाढ़ प्रबंधन की अवैज्ञानिक पद्धति :-

1. तटबंध का निर्माण अधिक बारिश के समय बाढ़ का कारण बनता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. बाढ़ प्रबंधन में स्पष्ट मानकों का अभाव
3. आपदा प्रबंधन में राज्य - केन्द्र एवं समुदाय के स्तर पर समन्वय का नहीं होना।

इसके लिए निम्न उपाय किए जाने चाहिए :-

1. बाढ़ प्रबंधन में समुदाय से केन्द्र सरकार तक समन्वय।
2. एकीकृत दृष्टिकोण के साथ संपूर्ण नदी बेसिन का प्रबंधन।
3. जलाशयों की भंडारण क्षमता में वृद्धि करना।
4. बाढ़ की भविष्यवाणी में सटीकता एवं उसके अनुसार प्रबंधन करना।
5. तलाकर्षण का बेहतर प्रबंधन एवं नदी की प्राकृतिक पुनरुद्धार क्षमता को सुधारना।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. पर्वतीय क्षेत्र में वृक्षारोपण एवं पारिस्थिकी का प्रबंधन करना।

7. समुदाय को प्रशिक्षित एवं क्षमता निर्माण में सहयोग करना।

समग्रत: हम कह सकते है बाढ़ प्रबंधन का एकीकृत दृष्टिकोण ही इस समस्या का बेहतर समाधान है।

बाढ़ पूर्वोत्तर भारत की अवसंरचना के निर्माण से पूर्व बाढ़ के संबंध Resilient तकनीकी का प्रयोग करना चाहिए। बाढ़ का बेहतर प्रबंधन हेतु अंतर्राष्ट्रीय सहयोग एवं समन्वय की भी आवश्यकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

17. How can 5G technology potentially bring about a digital revolution in India? Identify the challenges in adoption of 5G technology in India.

(250 words) 15

5G प्रौद्योगिकी संभावित रूप से भारत में एक डिजिटल क्रांति कैसे ला सकती है? भारत में 5जी प्रौद्योगिकी को अपनाने में आने वाली चुनौतियों की पहचान कीजिए।

5G प्रौद्योगिकी 20GPS की तीव्रता के साथ बेहतर समाधान प्रास्तुत करती है।

5G प्रौद्योगिकी डिजिटल प्रौद्योगिकी :-

1. उच्च गति के माध्यम से प्रशासन, डिजिटल भारत एवं तकनीकी ~~ग~~ चुनौति का बेहतर समाधान।

2. अत्यधिक विश्वसनीय संचार

3. ~~व~~ व्यापक पैमाने पर सुदृढ संवेदन तकनीकी एवं कृत्रिम बुद्धिमता के प्रयोग से कृषि, उद्योग के क्षेत्र में प्रगति।

5G प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विभिन्न चुनौतियाँ भी ~~मिलती~~ हैं :-

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. स्पैक्ट्रम की उपलब्धता
2. इलैक्ट्रोनिक उपकरणों का निर्माण।
3. महंगी प्रौद्योगिकी है।
4. इलैक्ट्रोनिक उपकरणों में स्टोरेज क्षमता का अभाव है।
5. डिजिटल रूप से विभाजन को बल देती है।
6. साइबर सुरक्षा संबंधी चुनौति।
7. ग्रामीण भारत वर्तमान प्रौद्योगिकी के साथ वंचना से ग्रसित है।

8. समग्रत: 5G प्रौद्योगिकी चुनौतियाँ व्यापक है लेकिन इनका समाधान करके ही वर्तमान समय की समस्याओं

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

का प्रभावी समाधान कर सकते हैं।

~~लाभ~~ :- समाधान :-

1. शोध को बढ़ावा देना चाहिए।
2. इसके लाभों के प्रति जनता में जागरूकता का प्रसार करना चाहिए।

5G प्रौद्योगिकी की चुनौतियों का समाधान 5 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था, सतत विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करेगा।

पोषण, शिक्षा एवं कौशल को बेहतर बनाकर समावेशी विकास को भी बढ़ावा देगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

18. Besides computing, quantum technology has potential applications in various areas. Discuss. What are the challenges which lie ahead for effective utilization of quantum technology? **(250 words) 15**

संगणना के अतिरिक्त, क्वांटम प्रौद्योगिकी के विभिन्न क्षेत्रों में संभाव्य अनुप्रयोग हैं। चर्चा कीजिए। क्वांटम प्रौद्योगिकी के प्रभावी उपयोग के समक्ष आने वाली चुनौतियां क्या हैं?

क्वांटम प्रौद्योगिकी भौतिकी के क्वांटम सिद्धांतों पर आधारित है। इसी आधार पर क्वांटम कम्प्यूटर एवं चिप आदि का निर्माण हुआ है।

क्वांटम प्रौद्योगिकी के लाभ :

1. क्वांटम सन्चार के माध्यम सुरक्षित एवं वहनीय सन्चार को बढ़ावा दे सकती है।
2. क्वांटम कंप्यूटर के माध्यम से गणनाओं को बेहतर बनाना।
3. क्वांटम स्तर पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता 5G प्रौद्योगिक आदि नवीन तकनीकी के विकास में सहयोग।

4. क्वांटम कंप्यूटर के माध्यम से मौसम एवं अन्य भविष्य वाणियों में सटीकता का होना है।

5. कृषि, उद्योग एवं अन्य आर्थिक गतिविधियों में सहायक की भूमिका।

6. पर्यटन, चिकित्सा एवं शिक्षा के क्षेत्र में भी क्वांटम प्रौद्योगिकी सहायक होगी।

चुनौतियाँ :-

1. क्वांटम प्रौद्योगिकी को आम व्यवहार में उपयोग करना महंगा एवं मुश्किल है।

2. उपकरणों की अनुपलब्धता

3. क्वांटम उपकरणों के अनुप्रयोग संबंधी चुनौति।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

क्वांटम प्रौद्योगिकी जीवन स्तर को बेहतर बनाने हेतु महत्वपूर्ण है। इसके लिए निम्न पहल करनी होगी -

1. शोध को बढ़ावा देना।
2. सस्ती तकनीकी के लिए आधारभूत संरचना में निवेश।

बजट 2020 में क्वांटम प्रौद्योगिकी हेतु राष्ट्रीय मिशन की घोषणा की है। यह डिजिटल भारत एवं वित्तीय समावेशन हेतु महत्वपूर्ण रूप से उपयोगी साबित होगी।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

19. While most insurgent groups in North-East India have given up violence and are engaged in peace talks with the government, a number of issues could create hurdles in the future. Discuss. **(250 words) 15**
जहाँ पूर्वोत्तर भारत में अधिकांश विद्रोही गुटों ने हिंसा छोड़ दी है और सरकार के साथ शांति वार्ता में संलग्न हैं, वहीं अनेक ऐसे मुद्दे हैं जो भविष्य में बाधाएं उत्पन्न कर सकते हैं। चर्चा कीजिए।

पूर्वोत्तर भारत में नृजातीय विद्रोह नागा विद्रोह के साथ प्रारंभ हुआ था। तत्पश्चात विभिन्न नृजातीय समूह ने अपनी विशिष्ट पहचान को लेकर विद्रोह किए हैं।

सरकार के समझौते :-

1. बोडो समझौता
2. मिजोरम में समझौता
3. नागा शांति समझौता, 2019

पूर्वोत्तर भारत में हिंसा में उल्लेखनीय कमी आई है लेकिन फिर भी कुछ कमियाँ हैं :-

1. नागा शांति वार्ता समझौता में इश्क मुइविया संगठन अभी भी

असंतुष्ट है। ~~एक~~

2. क्षेत्र में विभिन्न दो नृजाति समूहों को शांति वार्ता में शामिल न करना एक चुनौती है।

3. नागा समूह द्वारा अलग झंडे एवं अलग राज्य की मांग करना।

4. संघर्ष विराम समझौता का कमजोर क्रियान्वयन एक चुनौती है। इससे दुबारा असंतुष्ट लोग शिविर को छोड़कर अपराधी गतिविधियों में संलग्न हो जाते हैं।

5. उग्रवादी समूहों की उपस्थिति भारतीय सीमा क्षेत्र से बाहर भी एक चुनौती पैदा करती है।

6. आर्थिक वंचना, सामाजिक पृथकता

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

भी उग्रवाद को बढ़ावा देती है

7. स्वायत्त जिला परिषदों में प्रतिनिधित्व संबंधी चुनौति

8. AFSPA, 1958 का दुरुपयोग।

सरकार को पूर्वोत्तर क्षेत्र में व्यापक स्थानीय समुदाय की भागीदारी से ही शांति स्थापना पर बल देना चाहिए। चुनौतियों का निवारण स्थानीय नेताओं की भागीदारी निर्णायक हो सकता है।

पूर्वोत्तर भारत ~~का~~ रणनीतिक महत्व का सदुपयोग शांति स्थापित करके ही कर सकते हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

20. Identifying the key vulnerabilities in India's cyberspace, discuss the framework which should be adopted in the envisaged new cyber security policy in India. **(250 words) 15**

भारत के साइबर जगत में प्रमुख सुभेद्यताओं की पहचान करते हुए, उस रूपरेखा पर चर्चा कीजिए, जिसे भारत में परिकल्पित नई साइबर सुरक्षा नीति में अपनाया जाना चाहिए।

भारत में 600 मिलियन इंटरनेट उपयोगकर्ता है। साइबर सुरक्षा भारत की आर्थिक, राजनैतिक एवं रणनीतिक सुरक्षा हेतु आवश्यक है।

साइबर सुरक्षा की सुभेद्यता :-

1. कानून का अभाव :- साइबर सुरक्षा हेतु प्रभावी कानून नहीं है। सूचना प्रौद्योगिकी कानून वर्तमान आवश्यकता को पूरा नहीं करता है।

2. भविष्य की योजनाओं एवं जनांकिकी लाभांश का सदुपयोग हेतु साइबर सुरक्षा आवश्यक है।

3. इलैक्ट्रोनिक्स उपकरणों की आयात पर निर्भरता।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. भारत की विविधता के प्रबंधन में साइबर सुरक्षा महत्वपूर्ण है जैसे फेक न्यूज, सांप्रदायिकता आदि।

5. इंटरनेट उपयोगकर्ताओं का डिजिटल साक्षर एवं जानकारी न होना।

इन चुनौतियों का निस्तारण साइबर सुरक्षा नीति में शामिल करके किया जा सकता है।

1. सार्वजनिक निजी सहयोग

2. पारदर्शिता एवं जवाबदेहिता को सुनिश्चित करना।

3. राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय स्तर पर साइबर सुरक्षा में समन्वय।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. स्पष्ट एवं प्रभावी साइबर सुरक्षा अधिनियम का निर्माण करना।

भारत में 2014 से 23% साइबर हमलों में वृद्धि हुई है। इस चुनौती का प्रभावी समाधान ही 5 ट्रिलियन डॉलर इकोनोमी एवं डिजटल समावेशी भारत का निर्माण कर सकता है।

भारत सरकार एवं राज्य सरकार को साइबर सुरक्षा हेतु शोध, शैक्षिक संस्थानों का गठन एवं जनता की जागृति जागरूकता ही साइबर सुरक्षित भारत का निर्माण करेगा।